दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 160
मुरादाबाद
(Wednesday)
30 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भाजपा ने एमएलसी चुनाव के छह प्रत्याशी घोषित किए, वाराणसी से केदारनाथ सिंह को टिकट

भाजपा ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए छह प्रत्याशियों की घोषणा की है। इनमें तीन स्नातक और तीन शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के उम्मीदवार हैं। वाराणसी स्नातक से केदार नाथ सिंह, मेरठ से दिनेश गोयल और इलाहाबाद-झांसी से अशोक कुमार राठौर को टिकट मिला है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने छह और प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने वाराणसी, मेरठ, झांसी, आगरा और गोरखपुर-फैजाबाद समेत छह सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया है।भाजपा ने वाराणसी स्नातक क्षेत्र से केदार नाथ सिंह, मेरठ स्नातक क्षेत्र से दिनेश गोयल, इलाहाबाद-झांसी स्नातक क्षेत्र से अशोक कुमार राठौर, वाराणसी शिक्षक क्षेत्र से डॉ. प्रमोद मिश्रा, आगरा शिक्षक क्षेत्र से इंजीनियर हरि किशोर तिवारी और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक क्षेत्र से ध्रुव त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाया है।विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव में भाजपा की ओर से पहले पांच प्रत्याशियों के नाम घोषित किए जा चुके हैं। अब छह और नामों के ऐलान के साथ पार्टी ने सभी 11 सीटों के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है।एमएलसी चुनाव के लिए 23 अक्टूबर को वोटिंग- यूपी में विधान परिषद चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हो चुकी है, जिसके बाद बीजेपी और सपा दोनों की ओर से तैयारियां शुरू हो गई हैं। उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख छह अक्टूबर है। उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों की जांच की अंतिम तिथि सात अक्टूबर है। नौ अक्टूबर तक प्रत्याशी नामांकन वापस ले सकेंगे, 23 अक्टूबर को वोटिंग होगी और 27 अक्टूबर को मतगणना की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

भारत-म्यांमार सीमा के पास असम राइफल्स की टीम पर उग्रवादियों का हमला, एक जवान बलिदान; चार घायल

अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास मंगलवार सुबह असम राइफल्स की गश्ती टीम पर संदिग्ध उग्रवादियों ने हमला कर दिया। हमले में एक जवान की मौत हो गई, जबकि चार अन्य जवान घायल हुए हैं। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी और अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 6:30 बजे नामपोंग नाला के पास हुई। यहां 21 असम राइफल्स के जवान उस इलाके में गश्त कर रहे थे, जहां भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है।इसी दौरान संदिग्ध उग्रवादियों ने गश्ती दल पर अचानक गोलीबारी कर दी। हमले में 42 वर्षीय हवलदार जांखोकाई कूकी गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। चार अन्य जवान भी घायल हुए हैं। घायल जवानों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है।

उनकी स्थिति के बारे में अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिली है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमले में NSCN (K-YA) से जुड़े उग्रवादियों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अभी तक सुरक्षा एजेंसियों या असम राइफल्स की ओर से हमलावरों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में अभियान तेज कर दिया है और संदिग्ध उग्रवादियों की तलाश की जा रही है।

पितृसत्तात्मक व्यवस्था खत्म करने का समय आ गया; राहुल गांधी ने छात्रों का किया समर्थन, जेन जी से की अपील

राहुल गांधी ने दिल्ली में सामूहिक दुष्कर्म की घटना के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों को अपना समर्थन देते हुए जेन जी से बड़ी संख्या में इन प्रदर्शनों में शामिल होने की अपील की।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को एक बयान जारी कर महिलाओं की सुरक्षा की मांग को लेकर हो रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया। साथ ही उन्होंने युवाओं और जेन जी से इन विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने की अपील की। राहुल गांधी ने दिल्ली में एक युवती से हुए दुष्कर्म के मामले में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में महिलाओं को ही दंडित नहीं किया जाना चाहिए बल्कि जो दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पीड़ितों को ही दंडित किया जा रहा-राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो पोस्ट में कहा, महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के लिए उन्हें ही दंडित करना बंद करना चाहिए। पूरे देश में महिलाएं सड़कों पर चलने से डर रही हैं,

उन्हें शोषण और दुष्कर्म होने का डर है और सरकार कह रही है कि आप घर पर रहिए! राहुल गांधी ने कहा, यह पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो पीड़ितों पर ही आरोप लगाती है और अपराधियों को बचाती है। अब समय आ गया है कि इसे खत्म कर देना चाहिए।कांग्रेस सांसद ने कहा कि महिलाओं को घरों में बंद करके रखना हल नहीं है। हमें अपनी सड़कें सुरक्षित बनानी होंगी और उन लोगों का विरोध करना होगा, जो महिलाओं से गलत व्यवहार करते हैं। साथ ही महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी।दिल्ली में सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन-राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में दक्षिणी दिल्ली के एक पार्क में 17 साल की युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस घटना को लेकर दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राएं विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बीती 23 सितंबर को दिल्ली यूनिवर्सिटी के लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वूमेन, मिरांडा हाउस, गार्गी कॉलेज और डॉ. बीआर आंबेडकर यूनिवर्सिटी की छात्रओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद अलग-अलग कॉलेजों में भी विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

नोटबंदी से अर्थव्यवस्था, वोटबंदी से लोकतंत्र खत्म कर रहे, भाजपा पर खरगे हमलावर;रखी ये पांच मांगें

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में सीईसी का मुद्दा छाया रहा। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में केंद्र पर तीखा हमला बोला और कई गंभीर आरोप लगाए। दिल्ली में आज कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। इस बैठक में कांग्रेस ने सरकार के सामने पांच मांगे रखी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, जिसमें केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। खरगे ने लिखा कि कांग्रेस के कंधों पर अंग्रेजी राज की तरह एक बार फिर भारत के लोकतंत्र और संविधान को बचाने की जिम्मेदारी है। जिस तरह अंग्रेजों से लड़कर वोट का हक छीना, उसी तरह आज भी उसी हक को बचाने के लिए लड़ना पड़ रहा है। लोकतंत्र की नींव को खोखला किया गया कांग्रेस अध्यक्ष ने पोस्ट में लिखा, हमारे पुरखों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की नींव रखी थी, उसे मोदी सरकार ने 12 वर्षों में षड्यंत्रकारी तरीके से खोखला कर दिया है। खरगे ने कहा कि साजिश के तहत लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त सरकार की कठपुतली बन गए हैं। खरगे ने कहा, बाबा साहेब ने कहा था कि किसी अफसर की मर्जी से मतदाताओं का नाम नहीं कटेगा। आज अफसर भाजपा और मोदी सरकार के इशारे पर मनमर्जी से नाम काट रहे हैं। डॉ. आंबेडकर ने मताधिकार को लोकतंत्र की सर्वाधिक मौलिक चीज कहा था, लेकिन आज इसका उलटा हो रहा है। जनता ने जिसे वोट का चौकीदार बनाया, वही वोटों का लुटेरा बन गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि जिस मुख्य चुनाव आयुक्त पर उनके अपने साथी भरोसा नहीं कर रहे, उन पर देश कैसे भरोसा कर सकता है? खरगे ने आरोप लगाया कि चुपचाप फॉर्म 6 के नियमों में बदलाव करवा दिया गया, जो पूरी तरह से गैरकानूनी है। नौकरी तो दी नहीं और अब वोट का अधिकार भी छीनना चाहते हैं। खरगे ने आगे कहा, कांग्रेस ने इस देश की संस्थाओं को बनाया और उन्हें अधिकार संपन्न बनाया, लेकिन आज वे ही संस्थाएं सत्ता के आगे सिर झुकाए खड़ी हैं। भाजपा-आरएसएस योजना के तहत ये काम कर रही हैं। कांग्रेस ने सरकार के सामने पांच मांगें रखी हैं, जो कि निम्न हैं- मतदाता सूची में होने वाले हर बड़े बदलाव का पूरा डेटा सार्वजनिक हो। जिन वोटरों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें पूरी सूचना और अपील का अवसर मिले। राजनीतिक दलों को मतदाता सूची और उससे संबंधित आवश्यक डेटा आसान फॉर्मेट में समय पर उपलब्ध हो। जहां गंभीर विसंगतियों के प्रमाण सामने आएं, वहां स्वतंत्र और समयबद्ध जांच हो। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण डेटा और निर्णयों में खुद ऐसी पारदर्शिता हो कि किसी पक्ष को यह कहने का अवसर न मिले कि जानकारी छिपाई जा रही है। लोकतंत्र में सबसे शक्तिशाली मतदाता- खरगे ने अपने पोस्ट में लिखा, %सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के मतदाताओं को यह भरोसा होना चाहिए कि उनका वोट सुरक्षित है। हम इस मुद्दे को किसी चुनाव को जीतने या हारने की लड़ाई के रूप में नहीं देखते। चुनाव तो आते जाते रहते हैं, सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन लोकतंत्र और संविधान स्थायी हैं। यही भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद है। हमें हर नागरिक से कहना है कि लोकतंत्र में सबसे शक्तिशाली व्यक्ति एक आम वोटर है, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या सत्ता में बैठा नेता नहीं।

झांसी में दर्दनाक हादसा: सुखनई नदी में नहाने गए पांच लोगों की डूबने से मौत, एक ही परिवार के थे सभी

घटना रानीपुर के देवी सिंह पुरा गांव की है। सुखनई नदी में नहाने के दौरान पांच युवक डूब गए। यह सभी युवक एक ही परिवार से ताल्लुक रखते थे। पांचों की मौत की खबर से परिजनों में गहरा शोक छा गया और कोहराम मच गया।झांसी जिले के रानीपुर थाना क्षेत्र के देवी सिंह पुरा गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। सुखनई नदी में नहाने गए पांच युवक तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गए। इसके बाद कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और गोताखोर पहुंचे। स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से सभी को नदी से बाहर निकाला गया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।यह सभी युवक एक ही परिवार से ताल्लुक रखते थे, जिनकी मौत की खबर से परिजनों में गहरा शोक छा गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

सपा सरकार बनी तो महिलाओं को हर साल 40 हजार, आगरा में पीडीए चौपाल में गूंजा अखिलेश का वादा

आगरा के बगदा गांव में हुई पीडीए चौपाल में सपा नेताओं ने इन वादों के साथ कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची में छूटे नाम जुड़वाने की अपील की।ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव बगदा में सोमवार को समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए चौपाल आयोजित की गई। इसमें सपा नेताओं ने आगामी चुनाव के मद्देनजर जनता से कई वादे किए और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर चुनावी तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए। मुख्य अतिथि एवं विधानसभा प्रभारी पूर्व प्रदेश सचिव राजपाल यादव ने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर महिलाओं को 40 हजार रुपये पेंशन दी जाएगी। साथ ही गरीब कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक मदद, बेरोजगारों को रोजगार और खिलाड़ियों को पूरा सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उन लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने का आह्वान किया, जिनके नाम अब तक अंकित नहीं हुए हैं।पूर्व जिलाध्यक्ष रामसहाय यादव ने संकेत दिया कि इस बार विधानसभा चुनाव में पार्टी की तरफ से किसी समर्पित नेता को ही प्रत्याशी बनाया जाएगा। चौपाल की अध्यक्षता बाली यादव ने की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष महिपाल प्रधान, महासचिव संतोष पाल, पीडीए पंचायत संयोजक सोनू यादव, शमशाबाद के पूर्व ब्लॉक प्रमुख पिंटू यादव, पिंकी त्यागी और राकेश धनगर समेत कई पदाधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

संपादकीय Editorial

The Election Commission should answer.

The Election Commission and the Special Intensive Revision (SIR) are once again not in the news, but in questions and controversies. In the national capital, Delhi, the names of approximately 4.75 million voters have been deleted. In Maharashtra, the state home to Mumbai, the country's financial capital, the names of 20.7 million voters have been removed from the list. A draft list has been released. People still have time to file objections and claims and protect their fundamental right to vote. Delhi had a total voter base of over 14.5 million, of which just over 97.53 million have been included in the new list. In Tughlakabad, Delhi, 47.85 percent of voters have been redlined. In Okhla, Badarpur, and Kasturba Nagar, 40-45 percent of voters have also been deleted. The capital, Delhi, is not a border area, so the possibility of Bangladeshi or Rohingya infiltrators is negligible. Bengalis who have settled and worked in Delhi have been there for a long time. They have voter ID cards and have been voting in elections. Assembly elections were held in Delhi in February-March 2025; those whose names have now been deleted from the SIR likely also voted. The areas where 40-47.8% of voters have been excluded from the voter list are also assembly constituencies; it's obvious that votes were cast there, and MLAs were elected. Are they all "fake" public representatives? Only the Election Commission can answer this. It has clarified some classifications, but they are not sufficient and clear. Anyone can go out for work or employment. Can their voting rights be taken away by showing their absence? Assembly elections were also held in Maharashtra in November 2024

There, approximately 9.78 crore voters exercised their franchise for the assembly elections. Even in the 2024 Lok Sabha elections, there were over 9 crore voters, but now, after the SIR, only 7.71 crore voters have been registered in the draft list. This means that 2.07 crore voters have been declared fake for whatever reason. The incidents in Delhi and Maharashtra, the attempts to take away voting rights, are not unusual. Of course, under Article 324 of the Constitution, the Election Commission is empowered to supervise, direct, and control the voter list. Article 326 also grants every adult Indian citizen the fundamental right to vote. How can the Election Commission take this away? The SIR exercise has so far deprived over 6 crore voters of their fundamental right. The government is blindsided, as its party is winning election after election. At least the Supreme Court must intervene decisively and protect citizens from this "constitutional blow." It is also relevant to mention West Bengal here. Assembly elections were held there in May 2026, and the BJP formed the government for the first time. Before the elections, 27.16 lakh voters were categorized as having "logical discrepancies" under the SIR. This category was not created in any other state. However, tribunals were formed on the Supreme Court's instructions. As of recently, the tribunals have resolved 82,782 cases, of which the names and claims of 75,443 voters were found to be correct. It is noteworthy that in areas like Malda and North 24 Parganas, 100% of the names were found to be correct, but those voters were unable to vote. In Bengal, a total of 91% of the voters whose names were deleted were found to be correct, but ironically, only about 700,000 people have filed objections and claims. Who are the remaining 20 lakh alleged voters, where are they, and why haven't they filed objections? The serious question is: is the Election Commission so authoritarian that it can delete the names of 60 million voters without making it clear to the country why constitutional voting rights.

India needs to make its scientists stars; India wants to become a central force in global innovation.

India aspires to become a developed nation and a central force in global innovation by 2047. To achieve this, it also needs to make its scientists stars. In Chinese cities, the huge billboards and digital screens that previously featured film stars, fashion models, and high-end brands are now featuring the faces of Chinese scientists. This initiative, which began in the Chinese city of Shandong in August, has expanded to other regions, and posters of scientists have appeared at railway stations, malls, and prominent city locations. In some places, the message is also written that these are truly the "top stars" to be emulated. Can't this be done in India?

When Chandrayaan lands on the Moon, the entire country celebrates. But how many Indian families know the names of the scientists who developed the systems for these missions? Scientists often come into public memory only when a major mission is successful or they receive a major award. Prestige is the reward of any profession. When choosing a career, talented young people consider not only salary and benefits but also the level of social recognition a profession has received. Therefore, it would be unfair to dismiss the recent news of scientists and technical staff leaving ISRO as a normal human resources issue. Following the departure of scientists and technical staff involved in key ISRO projects, a strict review system was put in place to review resignations. The expansion of private space companies is also creating higher salaries and new opportunities for experienced scientists. When nine employee organizations demanded ISRO clarify its role, ISRO clarified that it was neither privatizing nor reducing its role. Following the 2020 reforms and the Indian Space Policy 2023, the space sector has opened up to the private sector. As a result, more than 450 space startups are active in the country today. This change presents both opportunities and warnings. Therefore, the solution to deter scientists should not be to make the resignation process difficult, but to make opportunities attractive for them. Before science can be "popularized," its resources must be strengthened. The story of brain drain is also linked to this. The government is attempting to bring back Indian scientists working abroad through various schemes.

However, Nature magazine quoted scientists as saying that attractive fellowships alone are not enough; research infrastructure, long-term income security, and career opportunities are also crucial. In a survey of Indian researchers, 70 percent of respondents expressed dissatisfaction with the grant and funding system, and 85 percent cited the need for better administrative processes. They also pointed out that the appointment process can take months. Therefore, nationalistic appeals alone cannot be the answer to brain drain.

It would also be unfair to say that our country does not respect scientists at all. The National Science Awards have been instituted by restructuring the National Science Awards system. Their stated objectives include making the achievements of scientists inspiring to society. The problem is less about public visibility than the absence of recognition. This is where China's billboards offer useful clues for India. Imagine if public places featured not just advertisements for mobile phones, cars, films, and cosmetics, but also Indian scientists. How would it feel? Underneath their images and visuals, there would be a story about how they changed your life. The concept of "celebrity visits" in schools and colleges could be extended to scientists. Heroizing scientists doesn't mean idolizing them, but rather honoring curiosity, evidence, experimentation, failure, and discovery. Even failed experiments in science yield knowledge. India aspires to become a developed nation and a central force in global experiments by 2047. Laboratories, budgets, startups, and policies are crucial for this. Cultural change is equally important. India needs not only to become a leading power in science, but also to elevate scientists to social stars.

Aircraft technical failures are a major issue: Air passenger confidence is at stake, and major changes are needed in the aviation sector.

Compared to the growing passenger traffic, there is a shortage of aircraft maintenance, trained engineers, and parts. More than 1,200 technical failures indicate that major changes are necessary in the aviation sector. Over the past two years, the Indian aviation sector has been plagued by a series of technical failures, smoke detector malfunctions, emergency landings, and serious incidents. Recently, the smoke detector malfunction on an Air India aircraft has once again raised fears among passengers and questions about the government's oversight system.

According to data, more than 18 emergency landings were recorded across the country during 2024-2025, while the number of technical failures reached over 1,200. The Air India Group alone accounts for the largest share of these incidents. According to government data, a total of 2,420 serious incidents related to technical failures were reported between January 2023 and June 2026. Air India and Air India Express recorded 963 serious technical faults, accounting for nearly 40% of the total. Air India alone accounted for 844 of these cases. The group recorded 99 cases in the first six months of 2026. IndiGo, the country's largest airline, recorded 306 serious faults between 2023 and 2026. SpiceJet, Akasa Air, and others also saw an increase. According to Directorate General of Civil Aviation (DGCA) data, 65 in-flight engine shutdowns occurred in India from 2020 to 2025. These were mainly caused by fuel contamination, filter blockages, and mechanical failures. From January 2024 to May 2025, 11 mayday calls (an international emergency radio message) were recorded, many of which involved emergency landings. The DGCA Annual Report for 2024-25 mentions 104 accidents and 123 serious incidents. While most of these inspections have been completed, reports clearly indicate a lack of technical maintenance and an aging fleet burden.

According to experts, maintenance facilities, trained engineers, and parts availability are inadequate compared to the rapidly increasing passenger traffic. The DGCA has increased surveillance. However, many experts believe that proactive maintenance and modern technology are needed more than punishment. Captain CS Randhawa, a representative of the Pilots' Association, says that problems such as fuel filters, contamination, and electronic failures are recurring. We need major systemic changes. While the Ministry of Civil Aviation claims a zero accident rate, the number of serious incidents is alarming. Therefore, the DGCA should increase mandatory maintenance audits for all airlines. Pilots and engineers should be better trained, and older aircraft should be retired in a phased manner. Transparent reporting should also be mandated by airlines. The Indian aviation sector is one of the fastest-growing in the world, but if safety is compromised, this growth will not be sustainable. The government, regulators and airlines will have to work together to restore passenger confidence, otherwise air travel will remain a problem.

Children in the Digital World: Meta's agreement to provide information to Indian agencies is a positive step, but the beginning of a long battle

Following the Central Government's tough stance on the spread of child sexual abuse material on the digital world, Meta's agreement to provide information on such cases to Indian law enforcement agencies is a positive step. However, this should be seen as the beginning of a long battle rather than the end. Following the Central Government's tough stance on the spread of child sexual abuse material on social media platforms, Meta's agreement to provide information on such cases to Indian law enforcement agencies is a welcome step, but this should be seen as the beginning of a long battle rather than the end.Indeed, to protect children from the growing dangers of the digital world, it is now essential to establish a clear accountability mechanism between technology companies, the government, and law enforcement agencies. It is worth noting that the government has taken a tough stance on child sexual abuse material on social media platforms for some time now. In July, the Ministry of Electronics and Information Technology summoned Meta officials. This action follows reports of advertisements featuring objectionable content generated by AI on Instagram, targeting children. The National Commission for Protection of Child Rights also took cognizance of the matter and sought a response from Meta officials. The seriousness of this entire incident is further compounded by the fact that AI has made the creation of objectionable content easier than ever before. This misuse of technology is not limited to the dissemination of content; it is also increasing the risk of new methods targeting children. Therefore, the responsibility of social media companies should not be limited to reporting or removing such content from their platforms. They must also ensure that accounts and networks creating, disseminating, or attracting users to such content are identified and that law enforcement agencies receive information in a timely manner. Furthermore, the information-sharing process between social media companies and law enforcement agencies must be clear, prompt, and accountable. Social media companies must understand that their safety responsibilities regarding Indian users must.

स्टेपनी के पहियों ने छीन ली जिंदगी: तेज रफ्तार डंपर से निकले पहिए बाइक से टकराए, बीएससी छात्र की मौत

तेज रफ्तार डंपर की स्टेपनी के दो पहिए निकलकर सामने से आ रही बाइक से टकरा गए। हादसे में बीएससी छात्र उवेश आलम की मौत हो गई। छात्र कोचिंग से घर लौट रहा था। पुलिस ने डंपर कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।साठ किमी की रफ्तार से दौड़ते डंपर के बीच में लगे स्टपनी के दो पहियों का जोड़ा अचानक निकलकर उसी गति से सामने से आ रही बाइक में जा टकराया। इस हादसे में बाइक चला रहे 19 वर्षीय उवेश आलम की मौत हो गई। बीएससी का छात्र उवेश कोचिंग से पढ़ाई कर घर लौट रहा था। यह हादसा सोमवार दोपहर करीब 1.30 बजे ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद रोड पर लोंगी खुर्द के पास हुआ।

हादसे में जान गंवाने वाला छात्र भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव कोरबाकू निवासी शौकत अली का बेटा था। ठाकुरद्वारा नगर के कोचिंग सेंटर पर पढ़कर एसएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। छात्र के ममेरे भाई गांव सेहल निवासी फुरकान अली ने बताया कि उवेश बीएससी की पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहा था।इसके लिए वह रोज गांव से ठाकुरद्वारा की एक कोचिंग में पढ़ने जाता था। सोमवार को भी वह रोज की तरह कोचिंग गया था और गांव लौटते समय हादसा हो गया। तेज टक्कर लगने के कारण बाइक से दूर गिरे छात्र को पुलिस ने एंबुलेंस सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। इस जानकारी पर छात्र के परिजन और रिश्तेदार अस्पताल पहुंच गए।कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार ने बताया कि गमगीन परिजनों ने छात्र के शव का पोस्टमार्टम न करवाने का अनुरोध किया। उनको समझाने में करीब एक घंटे का समय लगा। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका। कोतवाल ने कहा कि हादसा होते ही चालक डंपर छोड़कर भाग गया। डंपर कब्जे में लेकर पुलिस ने चालक की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों से तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

डंपर के बेकाबू पहियों ने रौंद दिए छात्र और परिवार के सपने

बीएससी छात्र उवेश आलम की मौत के बाद से परिजनों के आंसू थम नहीं रहे हैं। हादसे का पता चलते ही परिवार के अधिकांश सदस्य गांव से ठाकुरद्वारा सीएचसी पहुंच गए। परिवार में भाई शाने आलम, परवेज आलम, बहन तरन्नुम और तबस्सुम हैं। परिजनों ने बताया कि उवेश पढ़ लिखकर बड़ा आदमी बनना चाहता था। इसीलिए वह बीएससी की सामान्य पढ़ाई के साथ-साथ कोचिंग की मदद से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था।भारीभरकम पहियों के जुट्टे की तेज टक्कर से उछलकर दूर जा गिरा था छात्र

हादसे के समय आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि किसी को उम्मीद नहीं थी कि मुरादाबाद से ठाकुरद्वारा की ओर जा रहे डंपर के स्टपनी में इस्तेमाल होने वाले पहियों का जुट्टा एकाएक अलग हो जाएगा और डंपर जितनी रफ्तार से ही दौड़ेगा। अचानक यह सब होने से कुछ सेकेंड तक किसी की समझ में नहीं आया कि यह हुआ क्या। कोतवाल ने बताया कि अनुमान है कि हादसे के समय डंपर की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे के आसपास थी। एकाएक निकला पहियों को जोड़ा भी उसी रफ्तार से दौड़ा। भारीभरकम पहियों का जोड़ा 60 की स्पीड से टकराने के कारण बाइक चला रहा छात्र उछलकर दूर जा गिरा और उसकी जान चली गई।

विधायक के फार्महाउस में दरिंदगी: कमरा दिलाने के लिए दरोगा ने बनाया था दबाव, केयरटेकर के चौंकाने वाले खुलासे

यूपी के हसनपुर में विधायक के फार्महाउस में हुए सामूहिक दुष्कर्म में पुलिस ने केयरटेकर के बयान दर्ज किए। केयरटेकर ने कहा कि कमरा दिलाने के लिए दरोगा ने दबाव बनाया था। बयान में कहा कि गृह मंत्रालय की जांच टीम बताकर कमरे दिलाने के लिए दरोगा ने कहा थाउत्तराखंड के खानपुर के विधायक उमेश शर्मा के फार्म हाउस में हुए सामूहिक दुष्कर्म में केयरटेकर रामनिवास का पुलिस ने सोमवार को बयान दर्ज किया है। बयान में उसने कहा कि रजबपुर थाने के दरोगा नरेश पाल राणा ने फार्म हाउस पर कमरा दिलाने के लिए दबाव बनाया था। घटना के बाद फार्म हाउस के केयरटेकर ने पुलिस को तहरीर दी थी कि किसी जांच के लिए गृह मंत्रालय की टीम के आने की बात कह कमरा देने के लिए दरोगा ने फोन किया था। इसके साथ ही फार्म हाउस की लोकेशन भी मांगी थी। सोमवार को हसनपुर कोतवाली के इंस्पेक्टर ने उन्हें बुलाकर शिकायत और घटना के संबंध में बयान दर्ज किए हैं। केयरटेकर ने आरोप लगाया कि रजबपुर थाने में तैनात दरोगा नरेश पाल राणा ने फोन कर आरोपियों को कमरे दिलाने के लिए दबाव बनाया था।विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। कहा था कि गृह मंत्रालय की टीम जांच के सिलसिले में आई है। टीम कुछ देर रुकेगी। इसलिए कमरे उपलब्ध करा दें। उधर, केयरटेकर ने तहरीर वापस लिए जाने से इन्कार किया है। उसने कहा कि उसने अपनी शिकायत वापस नहीं ली है। दरोगा नरेशपाल के गायब होने की जांच शुरू- विधायक के फार्म हाउस में कमरा दिलाने के आरोपों में घिरे रजबपुर थाने के दरोगा नरेश पाल राणा के गायब होने की जांच शुरू हो गई है। जांच अधिकारी सीओ नौगावां सादात अवधभान भदौरिया ने घटना से जुड़े तथ्यों और नरेश पाल के जुड़ाव की तहकीकात शुरू की है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि नरेश पाल के आरोपियों से क्या संबंध थे। क्या उसने फार्म हाउस में कमरा दिलाने के लिए फोन कर दबाव बनाया था। घटना के बाद थाने से गैरहाजिर दरोगा नरेश पाल राणा को निलंबित किया जा चुका है। आदमपुर एसओ को बनाया सह-विवेचक- उत्तराखंड के खानपुर के विधायक उमेश शर्मा के फार्म हाउस में सामूहिक दुष्कर्म की विवेचना में अब दो विवेचक काम करेंगे। एसपी लखन सिंह यादव ने महिला अपराध की गंभीरता को देखते हुए मुख्य विवेचक के साथ महिला पुलिसकर्मी को सह-विवेचक नियुक्त किया है। इसके लिए आदमपुर एसओ कोमल को जिम्मेदारी दी गई है। जिले में पहली बार किसी मामले में दो विवेचकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।एसपी ने बताया कि महिला विवेचक को जांच में शामिल करने का मुख्य उद्देश्य पीड़िता से उसकी बात खुलकर जानना है। महिला विवेचक पीड़िता के लगातार संपर्क में है। सोमवार को भी उसने पीड़िता से बातचीत कर घटना और मामले से जुड़ी जानकारी ली है। एसपी ने बताया कि विवेचना के दौरान पीड़िता की सुरक्षा और उसकी बात को प्राथमिकता के साथ दर्ज किया जा रहा है। मामले में पुलिस साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।लगाई जाएंगी एससी-एसटी की धाराएं- हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म में आरोपियों पर एससी-एसटी की धाराएं भी बढ़ाई जाएंगी। एसपी लखन सिंह यादव ने बताया कि पीड़िता से लगातार संपर्क किया जा रहा है। अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र मिलने के बाद मामले में एससी-एसटी एक्ट की धाराएं बढ़ाई जाएंगी। प्रमाण पत्र मिलने तक विवेचना पूरी नहीं हो सकेगी।

खतरे के निशान के करीब पहुंची रामगंगा, नदी किनारे बसी कॉलोनियों में बढ़ी धड़कनें

मुरादाबाद में रिकॉर्ड बारिश के बाद रामगंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है, जिससे तटीय कॉलोनियों और गांवों में बाढ़ की चिंता बढ़ गई है।दो दिन से प्रदेश भर में और उत्तराखंड में हो रही वर्षा ने चिंता बढ़ा दी है। आस पास पहुंच गई है। इससे लाखों लोगों के माथे पर चिंता के बल डाल दिए हैं।मुरादाबाद में 436.5 मिमी वर्षा हुई है। सितंबर में हुई वर्षा ने पिछले कई सालों का रिकार्ड तोड़ा दिया है। वर्षा के कारण कई स्थानों पर जन हानि भी हुई है। मंडल में कई स्थानों पर घर गिरे हैं, इसके साथ ही गांवों में फसलों का भी नुकसान हुआ है। प्रशासन अभी नुकसान का आंकलन करने में जुटा है, वहीं अभी मौसम विभाग के अनुसार वर्षा की संभावना बनी हुई है। उधर, रामगंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण शहर में नदी किनारे बसी कालोनियों के साथ ही गांवों में भी लोगों की चिंता बढ़ रही है। पिछले महीने हुई वर्षा के कारण जनपद के बीस से अधिक गांवों तक पानी पहुंच गया था, जिसके कारण उनका मुख्य सड़क से संपर्क कट गया था।अब फिर से नदी का जल स्तर बढ़ने से गांवों के रास्तों में पानी पहुंचने लगा है। इधर रामगंगा विहार, आशियाना, जिगर कालोनी, बंगला गांव, चक्कर की मिलक, अवंतिका, जामा मस्जिद, लालबाग, दौलत बाग, राजकीय इंटर कालेज और कटघर आदि क्षेत्रों में चिंता बढ़ने लगी है। लोग नदी किनारे का हाल जानने के लिए पहुंचने हैं। नदी का जलस्तर बढ़ने से नालों का पानी बैक होने के कारण नीचे क्षेत्रों में जलभराव की समस्या दिक्कत बन जाती है। लगभग 15 साल पहले भी सितंबर में ही बाढ़ आई थी। रामगंगा विहार सहित नदी के किनारे बसी अन्य कालोनियों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। उधर प्रशासन ने भी नदी के किनारे के गांवों में सक्रियता और निगरानी बढ़ा दी है। मुरादाबाद में पिछले दो दिन में हुई वर्षा की स्थिति-मुरादाबाद - 142.5 मिमी कांठ - 79.5 मिमी बिलारी - 46.5 मिमी ठाकुरद्वारा - 168.0 मिमी कुल वर्षा- 436.5 मिमी कुल औसत वर्षा- 22.95 मिमी

संक्षिप्त समाचार

सपा नेता शफीकुर्रहमान बर्क को बताया तालिबानी समर्थक, भाजपा नेता बोले- मंदिरों के निर्माण में डाली बाधा

भाजपा नेता राजेश सिंघल ने दिवंगत सांसद शफीकुर्रहमान बर्क पर मंदिरों और कल्कि धाम के निर्माण में बाधा डालने के आरोप लगाए। बयानबाजी को देखते हुए प्रशासन ने सिंघल समेत चार लोगों को पाबंद किया है। भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सियासी माहौल गरमा दिया। उन्होंने दिवंगत पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क को तालिबानी समर्थक बताते हुए उन पर मंदिरों और श्री कल्कि धाम का निर्माण रोकने का आरोप लगाया। सिंघल ने अपने पोस्ट में कहा कि श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने आचार्य कृष्णम की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। सिंघल ने आरोप लगाया कि पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान ने पहले भी श्री कल्कि धाम सहित संभल के कई मंदिरों के निर्माण में बाधा डाली थी। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलुकुर्रहमान बर्क उनकी हत्या कराना चाहते हैं। बयानबाजी के चलते प्रशासन ने किया है पाबंद सोशल मीडिया पर चल रही बयानबाजी के चलते प्रशासन की ओर से भाजपा नेता राजेश सिंघल, सांसद के पिता ममलुकुर्रहमान बर्क, जामा मस्जिद कमेटी के सदर व एआईएमआईएम के नेता जफर अली व शकील अहमद को नोटिस देकर पाबंद किया गया है। इनको सोशल मीडिया या सार्वजनिक स्थानों पर बयानबाजी नहीं करने के निर्देश दिए हैं। इंडिया गठबंधन के तहत मिलकर लड़ा जाएगा चुनाव: सांसद अखिलेश यादव का रुख पूरी तरह सकारात्मक है। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के तहत मिलकर ही चुनाव लड़ा जाएगा। भाजपा मुक्त सरकार से सांप्रदायिक ताकतें कमजोर होंगी। यह कहना संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क का। सोमवार को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यह बात लिखी है। सांसद बर्क ने गठबंधन के भीतर हो रही टिप्पणियों पर चिंता जताई है। उन्होंने ऐसी टिप्पणियों से बचने के लिए कहा है। कहा है कि गठबंधन कब और कितनी सीटों पर होगा, यह उच्च नेतृत्व पर निर्भर है। जब तक कोई निर्णय नहीं होता, तब तक भाजपा को इसका कोई गलत फायदा उठाने का मौका नहीं देना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सबका मकसद प्रदेश और देश में मजबूती से चुनाव लड़ना है। उनका लक्ष्य उत्तर प्रदेश को भाजपा मुक्त सरकार देना है। सांसद ने कहा कि भाजपा मुक्त सरकार से सांप्रदायिक ताकतें कमजोर होंगी। एक अच्छी सरकार भयमुक्त होकर काम करने और विकास करेगी।

प्लाट दिलाने के लालच में बुलाकर 4.50 लाख और साढ़े नौ तोला सोना हड़पा

मुरादाबाद के मझोला क्षेत्र में प्लाट दिलाने के झांसे में महिला से 4.50 लाख रुपये और साढ़े नौ तोला सोना हड़प लिया गया। आरोपी ने नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म भी किया। थाना मझोला क्षेत्र की रहने वाली महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर अमरोहा के इरशाद खान शाह निवासी ग्राम डिडौली पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोमवार को थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक आरपी सिंह ने बताया कि आरोपी इरशाद खान ने अक्टूबर 2025 में इरशाद ने पीड़िता के भाई को सऊदी अरब भेजा था।

तभी से उसकी जान पहचान थी। 15 मार्च 2026 को दोपहर करीब दिन डेढ़ बजे इरशाद पीड़िता के घर भोजपुर पहुंचा और उसे बहकाया कि वह उसे 24 लाख में 200 गज का प्लाट दिला देगा। बहकावे में आकर पीड़िता पति नाजिर के साथ 4.50 लाख रुपये और साढ़े नौ तोला सोने के जेवर लेकर इरशाद के संभल रोड आजाद नगर स्थित आफिस पहुंची। वहां इरशाद ने रकम और जेवर अपने कब्जे में ले लिए और कहा कि जब वह बुलाए तब आए।

23 जुलाई को इरशाद ने फोन कर पीड़िता को ऑफिस बुलाया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। होश में नहीं रहने पर दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो भी बना ली गई। होश आने पर पीड़िता ने पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो इरशाद ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इसके बाद बच्चे नहीं होने पर कलियर शरीफ में अर्जी लगवाने के बहाने रुड़की ले गया। वहां दो दिन तक पीड़िता को कमरा बंद कर दुष्कर्म किया। थाना मझोला प्रभारी आरपी सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपी इरशाद खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौहल्ला अंसारियान वार्ड संख्या-20, तहसील बिलायरी स्थित भवन संख्या-102, जो गृहकर अभिलेखों में श्री सरफराज हुसैन पुत्र श्री तसददुक हुसैन निवासी मौहल्ला अंसारियान, कस्बा व तहसील बिलायरी के नाम दर्ज है।परन्तु श्री शमीम अहमद पुत्र श्री हबीब अहमद व श्री मौ0 सलीम पुत्र श्री शमीम अहमद निवासी मौहल्ला अंसारियान, कस्बा व तहसील बिलायरी के द्वारा उक्त भवन के रकबई 57.35 वर्गमीटर भाग पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-21/08/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के विक्रय पत्र (बैनामे) की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गई है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	102	अंसारियान	श्री सरफराज हुसैन पुत्र श्री तसद्दुक हुसैन	श्री शमीम अहमद पुत्र श्री हबीब अहमद व श्री मौ0 सलीम पुत्र श्री शमीम अहमद

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो वह इस नोटिस की दिनांक से 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। नाम दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलायरी (मुरादाबाद)

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सिंगाही मुराबान केसरपुर के बीच बहगुल नदी के पुल पर 2 फीट पानी बहने से आवागवन ठप्प ग्रामीण परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह/ भुता। थाना क्षेत्र के सिंगाही मुरावान के बीच बहुल नदी के पुल पर दो से ढाई फीट पानी बह रहा है। जिससे लगभग 50 ग्रामों का आवागवन ठप्प हो गया है। ग्रामीणों ने फिर धरना प्रदर्शन चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द पुल पर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो धरना प्रदर्शन करेंगे।

सिंगाही मुरावान केसरपुर के बीच बहगुल नदी के पुल पर लगभग दो ढाई फीट पानी बहने से दर्जनों ग्रामों का रास्ता फिर बंद हो गया है। पिछले दिनों ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन करने पर, तहसीलदार सदर मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों को आश्वासन दिया था। कि जल्द ही वैकल्पिक व्यवस्था कर ग्रामीणों की समस्या का निदान किया जाएगा। लेकिन अभी तक समस्या जस की तस बनी है। और कोई राहत कार्य नहीं किया गया। जिससे लगभग 50 ग्रामों की का आवागमन बंद हो गया है जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों को 20 किलोमीटर चक्कर काटकर केसरपुर बाजार कमुआ होते हुए बरेली की दूरी तय करनी पड़ रही है। वही छात्र-छात्राओं को शहर में पढ़ने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। कुछ विद्यार्थी तो घर पर ही बैठे हुए हैं। उनको इंतजार है कब पुल का पानी कम होगा और हम पढ़ने जा पाएंगे। मरीजों को इलाज के लिए बरेली जाने में भारी परेशानी का सामना ग्रामीणों को करना पड़ रहा है। इधर ग्रामीणों का कहना है। तहसीलदार के आश्वासन पर धरना समाप्त किया गया था। लेकिन प्रशासन के तरफ से समस्या के समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।इसको लेकर जागरूक ग्रामीण दोबारा धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हो रहे है।

कलेक्ट्रेट में सीएम डैशबोर्ड और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

नवरात्र से पहले गड्ढामुक्त हों सड़कें

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने विकास विभाग और कार्यदायी संस्थाओं के पेंच कसे। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयसीमा से कोई समझौता नहीं होगा; मानकों की अनदेखी मिलने पर सीधे जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा के दौरान डीएम ने लोक निर्माण विभाग (PWD) के अधिशासी अभियंता को कड़े निर्देश दिए कि जिले की सभी गड्ढायुक्त सड़कों को तत्काल चिन्हित किया जाए। नवरात्र पर्व शुरू होने से पहले हर हाल में पैचवर्क और मरम्मत पूरी हो जानी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं और आम राहगीरों को आवागमन में कोई परेशानी न उठानी पड़े।

वहीं, पूर्ण होने की कगार पर पहुंचे प्रोजेक्ट्स को तय समय में पूरा कराकर पोर्टल पर प्रगति रिपोर्ट अपलोड करने और संबंधित विभागों को हैंडओवर करने के निर्देश दिए। विभागीय अधिकारियों को स्वयं फील्ड में उतरकर औचक निरीक्षण और गुणवत्ता सत्यापन के आदेश दिए गए हैं।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह, पीडी चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, डीपीआरओ कमल किशोर सहित संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

UPPSC परीक्षा: बरेली में 18 केंद्रों पर 4 अक्टूबर को स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी की परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (स्क्रीनिंग) परीक्षा-2025 आगामी 04 अक्टूबर 2026 को जनपद बरेली के 18 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय प्रातः 09:30 बजे से 11:30 बजे तक निर्धारित है। अपर जिलाधिकारी (नगर) अविनाश त्रिपाठी ने परीक्षा के सुचारू संचालन को लेकर अहम दिशा-निर्देश साझा किए हैं। एडमिट कार्ड ही माना जाएगा कर्फ्यू पास: परीक्षा निर्देश पुस्तिका (पृष्ठ संख्या-10) के अनुसार, यदि जिले में किसी कारणवश कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है या कर्फ्यू जैसी स्थिति बनती है, तो अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र (Admit Card) को ही वैध कर्फ्यू पास माना जाएगा। अधिकारियों को निर्देश: परीक्षार्थियों को केंद्र तक पहुंचने में कोई बाधा न आए, इसके लिए ड्यूटी पर तैनात सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों, जोनल मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है कि वे एडमिट कार्ड दिखाने पर परीक्षार्थियों को बिना रोक-टोक आने-जाने दें। तैयारियां पूरी: प्रशासन ने 18 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, निगरानी और व्यवस्था को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं ताकि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

किला नदी उफनाई लाजपतनगर और केसर वाटिका में घुसा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। बारिश के बाद बीते दिवस सुबह किला नदी फिर बेकाबू हो गई। नदी का जलस्तर बढ़ने से कर्मचारी नगर क्षेत्र की लाजपतनगर और त्रिवेणी कॉलोनी में पानी घुस गया। सुबह पानी पहुंचते ही लोगों की बेचैनी बढ़ गई। शाम तक दोनों कॉलोनियों में जलभराव का दायरा बढ़ता रहा। सूचना पर नगर निगम के निर्माण विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पानी निकालने के लिए पंपसेट भी लगाए गए। किला नदी के बढ़ते जलस्तर का असर कर्मचारी नगर की दूसरी कॉलोनियों पर भी पड़ने का खतरा बना हुआ है। करीब दो सप्ताह पहले भी नदी उफनने पर लाजपतनगर, त्रिवेणी एन्क्लेव, सैदपुर हॉकिंग और केसर वाटिका में पानी घुस गया था। कई जगह घरों में डेढ़ से दो फीट तक पानी पहुंचा था और करीब 350 परिवार प्रभावित हुए थे। नदी किनारे टूटी बाउंड्री और जलकुंभी से बहाव प्रभावित होने की बात भी सामने आई थी। उस समय नगर निगम ने बाउंड्री के पास बालू के कट्टे लगाने, बैरिकेडिंग कराने और जलकुंभी हटाने के लिए जेसीबी व अतिरिक्त कर्मचारियों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद सोमवार को दोबारा पानी कॉलोनियों तक पहुंच गया। इससे नदी किनारे बसे इलाकों में स्थायी जलनिकासी और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य का कहना है कि किला नदी में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। फिलहाल निगम की टीम पानी की निकासी और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

DM का सख्त फरमान–कागजी खानापूर्ति नहीं, जनता को चाहिए असली समाधान

IGRS और जनता दर्शन पर लापरवाही की तो खैर नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जनता की शिकायत पर कागजी खानापूर्ति करने वाले अधिकारियों की अब खैर नहीं! बरेली के कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अफसरों के पेंच कसते हुए दो-टूक निर्देश जारी किए हैं। डीएम ने साफ कर दिया है कि जनसुनवाई और आईजीआरएस (IGRS) मुख्यमंत्री की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल हैं, इसलिए शिकायतों के निस्तारण में रत्ती भर भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने असंतुष्ट और शून्य फीडबैक वाले मामलों पर कड़ा रुख अपनाया-असंतुष्ट फीडबैक पर तुरंत एक्शन: जिन मामलों में जनता की तरफ से असंतुष्ट फीडबैक मिला है, उनकी फौरन दोबारा समीक्षा होगी और समाधान का स्तर सुधारा जाएगा। शून्य फीडबैक वाले मामलों की निगरानी: जनता दर्शन में आई जिन शिकायतों पर फीडबैक शून्य दर्ज है, उन पर विशेष ध्यान देने और मॉनिटरिंग तेज करने के आदेश दिए गए।खुद आख्या पढ़कर करें अनुमोदन: डीएम ने स्पष्ट कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर अपलोड होने वाली आख्या को अधिकारी पहले खुद ध्यान से पढ़ें, तथ्यों की जांच करें और तभी उसे अप्रूव करें। केवल रस्म अदायगी नहीं चलेगी, समाधान वास्तविक और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए।

इस अहम समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह, उप निदेशक कृषि ओम प्रकाश मिश्र और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह समेत जिले के तमाम आला अधिकारी मौजूद रहे।

बिना नक्शे निर्माण कराने वालों में मचा हड़कंप !, इज्जतनगर और भोजीपुरा में BDA ने जड़ा ताला

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। मंगलवार को प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने थाना इज्जतनगर और भोजीपुरा क्षेत्र में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए दो बड़े व्यवसायिक भवनों को सील कर दिया। बिना नक्शा पास कराए धड़ल्ले से खड़े किए जा रहे इन निर्माणों पर BDA ने कड़ा प्रहार किया है।

पहली कार्रवाई थाना इज्जतनगर क्षेत्र के खजुरिया घाट, पीलीभीत बाईपास बैरियर नंबर-2 पर हुई। यहां अमजद खां द्वारा करीब 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना किसी अनुमति के व्यवसायिक इमारत खड़ी की जा रही थी।

मौके पर पहुंची प्रवर्तन टीम ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 के तहत तत्काल निर्माण कार्य रुकवाते हुए पूरे परिसर को सील कर दिया। वहीं दूसरी कार्रवाई थाना भोजीपुरा क्षेत्र के सैदपुर चुन्नी लाल, बड़ा बाईपास पर देखने को मिली। यहां मोहम्मद रफी द्वारा लगभग 120 वर्गमीटर भूमि पर अवैध रूप से व्यवसायिक निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण की टीम ने नियमों की अनदेखी करने पर इस इमारत पर भी ताला जड़ दिया।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि शहर में किसी भी सूरत में अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अनुमति के बिना बनने वाली इमारतों के खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग का अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। साथ ही, BDA ने आम जनता से भी अपील की है कि कोई भी संपत्ति खरीदते समय विक्रेता से प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र (नक्शा) जरूर मांगें, ताकि बाद में किसी बड़ी कानूनी कार्रवाई या नुकसान से बचा जा सके।

श्राद्ध पक्ष में बरसेगी कान्हा की कृपा : त्रिवटी नाथ मंदिर में सजा वृंदावन का दिव्य दरबार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल (पंजी.) के तत्वावधान में आयोजित होने वाले भव्य रासलीला व भक्त लीला महोत्सव हेतु वृंदावन से पधारे कलाकारों का समिति पदाधिकारियों ने फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। प्रेस वार्ता में अध्यक्ष मोहन गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी कैलाश चंद्र शर्मा, सह मंत्री विकास शर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि बुधवार सुबह 10:30 बजे कथा स्थल पर यजमानों और मंदिर ट्रस्टियों की मौजूदगी में भगवान गणेश का विधिवत पूजन होगा। वहीं, बुधवार शाम 6:00 से 9:30 बजे तक बाबा त्रिवटी नाथ मंदिर के कृष्ण कथा स्थल पर स्वामी देवकीनंदन जी की मंडली द्वारा श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं नंदोत्सव की दिव्य लीला का मंचन किया जाएगा। मंडल ने धर्मप्रेमी जनता से अपील की है कि श्राद्ध पक्ष में अपने पितरों के कल्याण हेतु सपरिवार पधारकर लीला दर्शन का पुण्य लाभ उठाएं।

रामगंगा के पास बनेगा नया जंक्शन! जगह की तलाश, बाइपास होंगे पुरानी लाइन और 3 स्टेशन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। सीतापुर से गाजियाबाद तक तीसरी और चौथी लाइन बिछाने का सर्वे शुरू हो गया है। बरेली में शहर में लाइन को बाइपास कर बिछाया जाएगा, इसके लिए रूट लगभग तय कर लिया गया है। इससे बरेली जंक्शन सहित ती ड्डन स्टेशन बाइपास हो जाएंगे और रामगंगा के पास नया बरेली जंक्शन बनाया जाएगा।

इसके लिए स्थान का चयन किया जा रहा है और रिपोर्ट मंडल मुख्यालय मुरादाबाद भेजी जाएगी। नई लाइनें बिछने और नया जंक्शन बनने से बरेली के पुराने रूट पर लोड काफी कम होगा और नई ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को भी फायदा मिलेगा। 18 अप्रैल को कैबिनेट ने गाजियाबाद से सीतापुर तक 403 किलोमीटर के रेलवे रूट पर तीसरी और चौथी रेलवे लाइन बिछाने को मंजूरी दी थी। इसमें बरेली जंक्शन समेत छह व्यस्त स्टेशनों को भी बाइपास कर नए स्टेशन बनाए जाएंगे।

इस प्रोजेक्ट के निर्माण पर 14926 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रेलवे की पिंक बुक में भी इन नई लाइनों के बिछाने का जिक्र किया गया था। गाजियाबाद-सीतापुर अभी डबल लाइन है और यह दिल्ली से गुवाहटी तक प्रमुख रूट है।

अटल आवासीय विद्यालय के 109 बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में श्रम एवं सेवायोजन विभाग द्वारा स्टॉल लगाए गए। मंडलायुक्त बरेली श्री शम्भु कुमार के निर्देश पर उप श्रमायुक्त श्री अनुराग मिश्र के नेतृत्व में अटल आवासीय विद्यालय, बरेली के 109 विद्यार्थियों ने इस अंतरराष्ट्रीय मेले का शैक्षणिक भ्रमण किया। मेले के आधुनिक स्टॉल्स देखकर बच्चे उत्साहित दिखे। उन्होंने वैश्विक व्यापार मॉडल्स और उद्योग जगत के तकनीकी बदलावों को करीब से समझा। इस दौरान उप श्रमायुक्त ने विद्यार्थियों को मिशन शक्ति और उसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का दृष्टिकोण वैश्विक बनता है तथा उनमें नवाचार और उद्यमिता की भावना जागृत होती है।

भुज आला हजरत एक्सप्रेस

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली। बरेली-भुज के बीच अप-डाउन सप्ताह में तीन-तीन दिन चलने वाली 14311-12, 14321-22 बरेली-भुज आला हजरत एक्सप्रेस को से चलाने की कवायद तेज हो गई है। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने इस गाड़ी को लखनऊ तक चलाने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से अनुरोध किया था।

बरेली से पीलीभीत, मैलानी, लखीमपुर खीरी होकर गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस और कासगंज-ऐशबाग एक्सप्रेस का संचालन किया जा रहा है।

लंबी दूरी की कुछ विशेष गाड़ियां भी इस रूट से गोरखपुर और कोलकाता तक चलाई जा रही हैं, लेकिन इस रूट से दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, गुजरात आदि राज्यों के लिए कनेक्टिविटी नहीं है। बरेली-भुज एक्सप्रेस के लखनऊ-भुज के बीच संचालन के लिए रेलवे के चीफ पैसेंजर ट्रांसपोर्टेशन मैनेजर आशीष भाटिया की ओर से संभावित समय सारिणी जारी की गई है। इस समय सारिणी के अनुसार गाड़ी के बरेली से छूटने और बरेली आने का समय पूर्ववत रहेगा।

किसान नवीनतम तकनीकी अपनाकर उठाएं अधिक लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / आज प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ रेज्डियू एवं त्वरित मक्का विकास योजनान्तर्गत किसान मेले का आयोजन मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय सत्यवती मैमोरियल इण्टर कालेज ढिलवारी दातागंज में मा0 सभापति प्रतिनिहित विधायन समिति उ0प्र0 एवं दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा उपस्थित कृषकों को कृषि की नवीनतम तकनीकी जानकारियां तथा पराली जलाने से होने वाले दुष्परिणामों एवं फसल अवशेष प्रबंधन के विषय में जागरूक किया। सहायक प्रबन्धक इफ्को द्वारा जनपद में इफ्को केन्द्रो पर डी0ए0पी0 की उपलब्धता तथा नैनो यूरिया एवं नैनो डी0ए0पी0 के उपयोग के विषय में विस्तार से अवगत कराया। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के प्रभारी द्वारा कृषकों को मृदा की जांच के समबंध में अवगत कराया।

जिला कृषि अधिकारी द्वारा कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में उपस्थित जनसमुदाय को अवगत कराया। उप कृषि निदेशक द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, यन्त्रों की बुकिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तार से अवगत कराया। सभापति राजीव कुमार सिंह द्वारा प्रदेश सरकार तथा भारत सरकार द्वारा कृषकों के हित में चलाई जा रही योजनाओं के सन्दर्भ में कृषकों को अवगत कराया। कार्यक्रम में पराली प्रबन्धन से सम्बन्धित यन्त्रों के लाभार्थियो को सम्मानित किया गया तथा कार्यक्रम स्थल पर कृषकों को नि:शुल्क बीज मिनीकिटों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में निजी तथा राजकीय संस्थाओं द्वारा स्टॉलों का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग के मनोज कुमार, अमित कुमार, प्रदीप कुमार, बलविन्दर सिंह तथा प्रताप सिंह का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर विनोद कुमार उप जिलाधिकारी दातागंज, मनोज कुमार उप कृषि निदेशक, मनोज रावत जिला कृषि अधिकारी, विवेक गौरव परियोजना निदेशक यू0पी0 डॉस्प, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र दातागंज एवं जनपद के दूरदराज से आये कृषक उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ के चुनाव मे हरीश अध्यक्ष और सूरज मंत्री निर्वाचित

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक फतेहगंज पश्चिमी का निर्वाचन मंगलवार को प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार की अध्यक्षता मे संपन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी देशबंधु गंगवार और सर्वेश गंगवार के निर्देशन में हुई प्रक्रिया में हरीश गंगवार को पुन: अध्यक्ष तथा सूरज गंगवार को मंत्री चुना गया। इसके अलावा पंकज कुमार व नीरेश गुप्ता को उपाध्यक्ष तथा अरविंद कुमार को संगठन मंत्री निर्वाचित किया गया। पूर्व ब्लाक प्रमुख भद्रसेन गंगवार ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शिक्षकों ने पुष्पमालाओं से स्वागत कर शुभकामनाएं दी। नरेश गंगवार ने कहा कि पदाधिकारी शिक्षक हितों के लिए सक्रियता से कार्य करते हुए संगठन को मजबूत करें। केसी पटेल, बलबीर सिंह, योगेश गंगवार, मनोज गंगवार और तपन सिंह मौर्य समेत अन्य पदाधिकारियों ने भी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी। इस अवसर पर प्रेमपाल, अनुजवीर गंगवार, जितेंद्र मोहन वर्मा, विजय गंगवार, पुष्पराज गंगवार सहित बड़ी संख्या मे शिक्षक मौजूद रहे।।

यूजीसी इक्विटी रेगुलेशंस 2026 के विरोध में सर्व समाज का विशाल प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

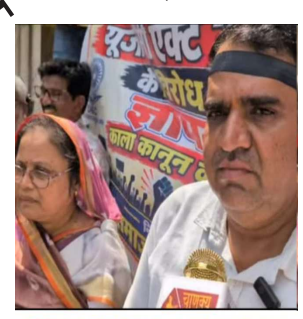

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ हाथों में तख्तियां ओर काली पट्टी, काले कपड़े के साथ सड़को पर निकले प्रदर्शनकारी गंजबासौदा उच्च शिक्षा संस्थानों में यूजीसी के 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेगुलेशंस-2026' को लेकर सर्व समाज संघर्ष मोर्चा, जिला विदिशा के नेतृत्व में नागरिकों और विद्यार्थियों ने विरोध प्रदर्शन किया, रघुवंशी समाज विदिशा जिला अध्यक्ष मोहरसिंह रघुवंशी द्वारा बताया गया सामान जाति के बच्चों की पढ़ाई में अधिक नंबर लाने पर भी आरक्षण के हिसाब से नौकरी नहीं मिल पाती काम नंबरों वाले बच्चों को नौकरी मिल जाती है यह न्याय नहीं अन्य समान जाति के बच्चों के साथ हो रहा है। प्रदर्शन के बाद एसडीएम अनुभा जैन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर नियमों की समीक्षा और व्यापक राष्ट्रीय विमर्श की मांग की गई। ज्ञापन में मोर्चा ने नए प्रावधानों को लेकर कई आशंकाएं जताईं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि केवल शिकायत या आरोप के आधार पर किसी छात्र, शिक्षक अथवा कर्मचारी के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। जांच प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध हो तथा दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का समान अवसर मिले। प्रमुख मांगें-दुर्भावनापूर्ण अथवा झूठी शिकायत साबित होने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ भी कार्रवाई हो। आरोपित व्यक्ति को जांच में अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिले। 2012 के प्रावधानों को लेकर जारी न्यायिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए नए नियमों पर व्यापक चर्चा हो। 2026 के प्रावधानों पर देशभर से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की जाएं। उच्च शिक्षा संस्थानों में न्याय, समान अवसर और सामाजिक समरसता सुनिश्चित की जाए। मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि उनका आंदोलन किसी वर्ग या समुदाय के अधिकारों के खिलाफ नहीं है, बल्कि वे निष्पक्ष प्रक्रिया और सामाजिक समरसता की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में नागरिक, विद्यार्थी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जनसुनवाई में पट्टे की भूमि पर कब्जे की शिकायत व पीएम विश्वकर्मा योजना से जुड़े मामले का हुआ निराकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ कलेक्टर की पहल से ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया तेज, कई प्रकरणों में कार्रवाई शुरू जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं, कई मामलों का मौके पर हुआ निराकरण कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलेभर से आए नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त विभिन्न शिकायतों एवं आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया गया। जनसुनवाई में लटेरी तहसील के ग्राम कोलापुरा निवासी श्री बाबूलाल प्रजापति ने अपनी पट्टे की भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने तथा सोयाबीन फसल काटने की धमकी दिए जाने की शिकायत प्रस्तुत की। आवेदक ने बताया कि वह न्यायालय से प्रकरण जीत चुके हैं, इसके बावजूद भूमि पर कब्जा बना हुआ है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लटेरी एसडीएम से वर्चुअल माध्यम से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। आवेदक की पांच बीघा भूमि पर बोई गई सोयाबीन फसल की कटाई करवाकर भूमि का कब्जा दिलाने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इसी प्रकार सिरोंज तहसील के ग्राम वीरपुर निवासी श्री फुल्ला धानक ने अपनी कृषि भूमि के बीच से सड़क निर्माण किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए, जिसके बाद समस्या के निराकरण की प्रक्रिया संपादित कराई गई। सिरोंज तहसील के ग्राम सोना निवासी श्री गोपाल अहिरवार ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत ऋण एवं टूलकिट प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। जांच में पाया गया कि ऑनलाइन आवेदन में क्रेडिट विकल्प भरने में त्रुटि होने के कारण प्रकरण बैंक तक नहीं पहुंचा था। कलेक्टर के निर्देश पर उद्योग विभाग के अधिकारियों ने आवेदन में आवश्यक संशोधन कर दिया। अब प्रकरण बैंक को प्रेषित होने के पश्चात ऋण एवं टूलकिट प्रदान करने की कार्रवाई की जाएगी।

पेंशनरों को कोषागार में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं, घर बैठे ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे जीवित प्रमाण-पत्र।

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने कोषागार, मुरादाबाद से पेंशन आहरित करने वाले समस्त पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को अवगत कराया है कि जिन पेंशनरों के जीवित प्रमाण-पत्र की वैधता समाप्त होने वाली है, वे अपना जीवित प्रमाण-पत्र ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके लिए पेंशनरों को कोषागार में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी।जिलाधिकारी ने बताया कि पेंशनर अपने अथवा अपने परिवार के किसी सदस्य के स्मार्टफोन के प्ले स्टोर से सर्वप्रथम AadhaarFaceRD App इंस्टॉल करें। इसके पश्चात Jeevan Pramaan App इंस्टॉल कर उसे खोलें। ऐप में मांगी गई आवश्यक जानकारी दर्ज करने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से अपना जीवित प्रमाण-पत्र तैयार कर ऑनलाइन प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस डिजिटल सुविधा के माध्यम से पेंशनर घर बैठे अपना जीवित प्रमाण-पत्र कोषागार को ऑनलाइन प्रेषित कर सकते हैं। इससे पेंशनरों को कोषागार कार्यालय तक आने-जाने की आवश्यकता नहीं होगी और समय एवं श्रम की भी बचत होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि जिनके जीवित प्रमाण-पत्र की वैधता समाप्त होने वाली है, वे समय से अपना जीवित प्रमाण-पत्र ऑनलाइन प्रस्तुत कर इस सुविधा का लाभ उठाएं। भविष्य में भी जीवित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के लिए इसी प्रक्रिया का पुन: उपयोग किया जा सकता है।

सेवा संकल्प कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्टेशनरी किट देकर किया सम्मानित

बिलारी ।सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित विद्यार्थियों को स्टेशनरी किट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख राजपाल सिंह, सह संयोजिका एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य लवी सक्सेना, वीडीओ संजय कुमार शर्मा, एडीओ पंचायत शकील अहमद तथा बीईओ प्रतिनिधि फरहत अली ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। विद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित विद्यार्थियों ने ब्लॉक स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एआरपी अक्षय

कुमार एवं शमीम अहमद का विशेष सहयोग रहा। अतिथियों ने चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतिभाग किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को स्टेशनरी किट देकर उनके प्रयासों की सराहना की तथा शिक्षा के साथ

संक्षिप्त समाचार

बच्चों में कैंसर: आधुनिक इलाज से बढ़ी ठीक होने की उम्मीद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ बरेली - जब किसी बच्चे में कैंसर का पता चलता है, तो यह पूरे परिवार के लिए चिंता और डर का समय होता है। लेकिन आज बच्चों में होने वाले कई प्रकार के कैंसर का सफल इलाज संभव है। समय पर बीमारी की पहचान, सही इलाज और उपचार को पूरा करने से बच्चे के ठीक होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। कई सामान्य बाल कैंसर में इलाज के बाद 80 प्रतिशत से अधिक बच्चों के ठीक होने की संभावना बताई गई है। बच्चों में ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, ब्रेन ट्यूमर, न्यूरोब्लास्टोमा, विल्म्स ट्यूमर, रेटिनोब्लास्टोमा और हड्डियों के कैंसर प्रमुख रूप से देखे जाते हैं। बीमारी के प्रकार, बच्चे की उम्र और कैंसर की स्थिति के अनुसार इलाज तय किया जाता है। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज के हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट और पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. सत्येंद्र कटेवा ने बताया, बच्चों में कैंसर गंभीर बीमारी जरूर है, लेकिन इसे हमेशा जानलेवा मानना सही नहीं है। आज बेहतर जांच, आधुनिक इलाज और अच्छी सहायक देखभाल के कारण कई बच्चों को सफल इलाज के बाद सामान्य जीवन जीने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक बुखार, बिना कारण वजन कम होना, शरीर में गांठ या सूजन, बार-बार संक्रमण, असामान्य रक्तस्राव या नीले निशान, लगातार हड्डियों में दर्द, बहुत ज्यादा कमजोरी या आंख की पुतली में सफेद चमक जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

गोवंश मामले में दो भाई गिरफ्तार, तमंचा बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। गोवंश को ऑटो में भरकर ले जाने के मामले में पुलिस ने विवेचना के दौरान प्रकाश में आए दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 315 बोर का तमंचा, कारतूस, छुरी, रस्सी और मोहरी बरामद हुई है।पुलिस के मुताबिक राहुल और सचिन निवासी पैगानगरी उर्फ नल नगरिया,थाना मीरगंज को रबड़ फैक्ट्री कॉलोनी में झाड़ियों के पीछे खंडहर मकान के पास से पकड़ा गया। दोनों के नाम सात अगस्त को दर्ज मुकदमे की विवेचना में सामने आए थे। आरोप है कि दोनों गोवंश को पकड़कर बेचने की तैयारी में थे।मामले में पहले मुनत्याज अली और ज्ञानसू को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के अनुसार राहुल के खिलाफ मीरगंज और फतेहगंज पश्चिमी थाने में पूर्व के मुकदमों समेत छह मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

68,500 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने राजभर का आवास का घेरा, बोले- न्याय करो; पुलिस से धक्का-मुक्की

68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर मंत्री ओम प्रकाश राजभर के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने आरक्षण संबंधी विसंगतियां दूर करने और संशोधित चयन सूची जारी करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे करीब आठ साल से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं।68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर सोमवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के आवास पहुंचे और बाहर बैठकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने 'राजभर चाचा न्याय करो' के नारे लगाए। करीब आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने का प्रयास किया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि उन्हें जबरन हटाकर ईको गार्डन भेज दिया गया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बदसलूकी और कपड़े फाड़ने का भी आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए गए।प्रदर्शन के दौरान ओम प्रकाश राजभर ने अभ्यर्थियों को बातचीत के लिए बुलाया और उनसे मुलाकात की। अभ्यर्थी 2018 की 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में आरक्षण से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने, संशोधित चयन सूची जारी करने और पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग कर रहे हैं। ऐसी ही मांगों को लेकर अभ्यर्थियों ने इससे पहले भी लखनऊ में प्रदर्शन किया है।प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थी नवीन ने दावा किया कि 10 सितंबर को बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से उनकी मुलाकात हुई थी।

जिला कारागार में विधिक शिविर, बंदियों की समस्याएं जानीं

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ उरई। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन की सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने 28 सितंबर 2026 को जिला कारागार उरई का साप्ताहिक भ्रमण एवं विधिक शिविर का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का निरीक्षण कर बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान जेल के मुख्य द्वार पर मरम्मत कार्य चलता मिला। सचिव ने निर्देश दिए कि जिन बंदियों की जमानत सक्षम न्यायालय से स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन जमानतगीर उपलब्ध न होने के कारण वे रिहा नहीं हो पा रहे हैं, उनकी सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे बंदियों की प्रभावी पैरवी कर उन्हें शीघ्र रिहाई दिलाने का प्रयास किया जाएगा। आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों की जमानत राज्य की ओर से जिला अधिकार प्राप्त समिति के माध्यम से कराने की कार्रवाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बंदियों को मिलने वाली विधिक सहायता एवं मुकदमों की पैरवी की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही महिला बंदियों और उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा, खान-पान एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नहीं हैं अथवा न्यायालय में समुचित पैरवी नहीं हो पा रही है, उन्हें नियमानुसार निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसके बाद मुलाकाती क्षेत्र में स्थापित लीगल एड हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया गया। बंदियों से उनकी समस्याएं पूछी गईं, जिस पर किसी ने कोई समस्या नहीं बताई। इसके बाद प्ली बार्गेनिंग एवं लीगल एड क्लीनिक के लाभ और कार्यप्रणाली विषय पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। डिप्टी चीफ एलएडीसी उमेश मिश्रा ने संविधान के अनुच्छेद 39ए के तहत गरीब एवं कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता के प्रावधान की जानकारी दी। असिस्टेंट एलएडीसी अभिषेक पाठक ने अनुच्छेद 14 और 22(1) के बारे में बताया। उन्होंने प्ली बार्गेनिंग की अवधारणा और इसके माध्यम से लंबी न्यायिक प्रक्रिया में समय व संसाधनों की बचत की जानकारी दी। इस अवसर पर जेल अधीक्षक प्रशान्त मौर्य, कारापाल प्रदीप कुमार, उपकारापाल अमर सिंह व सुखवती तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक शुभम् शुक्ला मौजूद रहे।

बुजुर्ग की सुनने की समस्या पर तत्काल कान की मशीन, जलभराव की शिकायत पर गांव में पानी निकासी के निर्देश

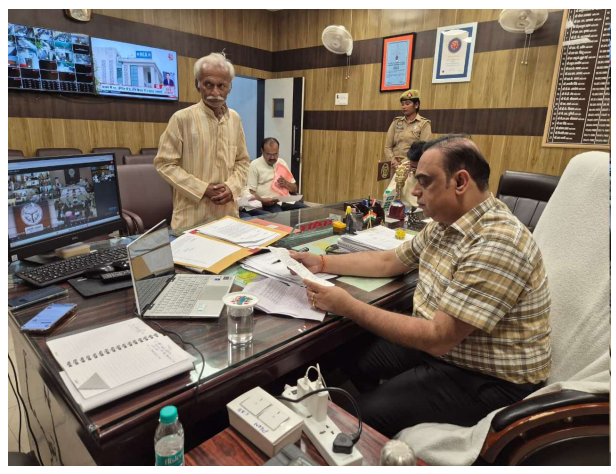

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ जालौन। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जिलाधिकारी की जनसुनवाई में फरियादियों की समस्याएं सुनने के साथ ही उनके समाधान की तत्काल पहल की गई। जिलाधिकारी समीर ने अपने कार्यालय कक्ष से जिलास्तरीय अधिकारियों को ऑनलाइन जोड़कर दूर-दराज से आए लोगों की शिकायतें गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति उम्मीद लेकर आता है, इसलिए उसकी समस्या का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में कुठौंद निवासी करीब 75 वर्षीय प्रताप शुक्ला सुनने की समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ सुनने में परेशानी होने लगी है, जिससे दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बुजुर्ग की समस्या पर जिलाधिकारी ने तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि उन्हें उसी दिन कार्यालय बुलाकर आवश्यक परीक्षण कराया जाए और जरूरत के अनुसार कान की मशीन उपलब्ध कराई जाए। इसी प्रकार ग्राम दशहरी निवासी ज्ञान सिंह ने बारिश के बाद गांव में जलभराव की शिकायत की। उन्होंने बताया कि नालियों में पानी भरने से ग्रामीण परेशान हैं और निकासी का उचित रास्ता नहीं है। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खंड विकास अधिकारी कदौरा को तत्काल गांव पहुंचकर मौके का निरीक्षण करने तथा पानी की निकासी की व्यवस्था कराकर समस्या का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में चकरोड, पारिवारिक कलह समेत विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन प्रकरण भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई महज शिकायत दर्ज कराने का माध्यम नहीं, बल्कि आमजन को त्वरित राहत पहुंचाने का प्रभावी मंच है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता बरतते हुए मौके की वास्तविक स्थिति की जांच करें और शिकायतकर्ता को समाधान का वास्तविक लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

थाना उझानी पुलिस नें ट्रांसफार्मर पार्टस चोरी करने वाले 02 अभियुक्त को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना उझानी पुलिस द्वारा संबंधित मु0अ0सं0 372/26 धारा 303(2) BNS में नफर अभियुक्तगण 1.विक्की पुत्र भूरे 2. नन्नू पुत्र सुभाष नि0गण ग्राम अल्लीपुर मढैया थाना उझानी जनपद बदायूं को गिरफ्तार किया गया । जिनके कब्जे से ट्रांसफार्मर से चोरी के क्वाइलस व पार्टस बरामद हुए। चोरी का माल बरामदगी के सम्बन्ध में मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) BNS की वृद्धि कर गिरफ्तार अभि0गण को नियमानुसार कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

भाजपा जिला कार्यालय में विदिशा विधायक ने सहयोग सेल के माध्यम से समस्याएँ सुनी

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंश/ विदिशा - जिला

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में विदिशा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री मुकेश टंडन ने पार्टी के सहयोग सेल के माध्यम से नागरिकों और कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम के दौरान विदिशा एवं निकट क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने अपनी मूलभूत समस्याओं जैसे पेयजल, सड़क, बिजली, पेंशन, राशन , राजस्व एवं अन्य समस्या संबंधी आवेदनों को विदिशा विधायक के समक्ष रखा। विधायक श्री मुकेश टंडन ने आवेदकों की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए।? इस दौरान जिला भाजपा संगठन की ओर से सहयोग सेल में श्री मुकेश चौकसे एवं डा. राहुल जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्री बाबू लाल ताम्रकार,श्री बलवीर रघुवंशी,श्री अनिल सोनकर,श्री वीर सिंह रघुवंशी,श्री जगदीश दांगी,श्री प्रशांत खत्री,श्री सुरेंद्र चौहान,श्री राहुल गुप्ता,श्री शैलेंद्र सिरभैया सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। भाजपा का सहयोग सेल जनता और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करता है। संगठन के माध्यम से हर अंतिम व्यक्ति की समस्याओं का समाधान करना पार्टी की प्राथमिक संकल्पबद्धता है।

बैढ़न RTO कार्यालय में 'MK ऑनलाइन' पर गंभीर आरोप, लाइसेंस बनवाने के नाम पर 4,000 लेने का मामला

क्यूँ न लिखूँ सच / मानस मिश्रा/ बैढ़न/सिंगरौली। बैढ़न स्थित RTO कार्यालय परिसर में संचालित बताई जा रही 'MK ऑनलाइन' दुकान को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, दुकान संचालक अमित कुमार शर्मा ने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के नाम पर उनसे फोन-पे के माध्यम से 4,000 लिए, लेकिन 28 सितंबर 2026 तक लाइसेंस नहीं बनवाया गया और न ही राशि वापस की गई।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि लाइसेंस बनवाने के लिए राशि लेने के बाद लगातार समय बीतता गया, लेकिन निर्धारित कार्य पूरा नहीं हुआ। जब राशि वापस मांगी गई तो भी कथित तौर पर भुगतान वापस नहीं किया गया।

मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि RTO कार्यालय परिसर में ऑनलाइन सेवाओं के नाम पर संचालित दुकानों द्वारा आम लोगों से लिए जाने वाले शुल्क, उनके कार्य और अधिकृत होने की स्थिति की निगरानी आखिर कौन करता है? शिकायतकर्ता ने भुगतान का फोन-पे लेनदेन प्रमाण भी होने की बात कही है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि 4,000 किस मद में लिए गए, क्या इसकी कोई रसीद दी गई, लाइसेंस संबंधी प्रक्रिया वास्तव में शुरू की गई थी या नहीं और राशि लेने के बावजूद कार्य लंबित रहने का कारण क्या है।

यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमों के तहत कार्रवाई तथा शिकायतकर्ता की राशि वापस कराने की मांग उठ रही है।

अब देखना होगा कि बैढ़न RTO प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और कार्यालय परिसर में संचालित ऑनलाइन दुकानों की भूमिका एवं लेनदेन की जांच कराता है या नहीं।

डिलारी के रहटा माफ़ी में रामलीला का हुआ भव्य उद्घाटन: समाजसेवी कमल सिंह दीवाकर ने फीता काटकर किया शुभारंभ, जय श्री राम के गूंजे उद्घोष

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद - डिलारी क्षेत्र के गांव रहटा माफी में शारदीय नवरात्र के अवसर पर पारंपरिक रामलीला का भव्य शुभारंभ किया गया। स्थानीय समाजसेवी कमल सिंह दीवाकर ने फीता काटकर रामलीला का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान पूरा आयोजन स्थल 'जय श्री राम' के उद्घोष से गूंज उठा। इस अवसर पर कमल सिंह ने कहा कि रामलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों का प्रतीक है। भगवान श्रीराम का जीवन समाज को मर्यादा, त्याग, सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। रामलीला के शुभारंभ के दौरान कमेटी के सदस्यों और ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि कमल सिंह दीवाकर का स्वागत किया। इस अवसर पर समाजसेवी कमल सिंह दीवाकर ने रहटा माफी रामलीला कमेटी को 210000 रुपए का दान भी दिया। कार्यक्रम में रामलीला कमेटी के पदाधिकारी महिपाल सैनी, आजाद राणा, खेम सिंह सैनी सोनू प्रजापति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। रामलीला को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं।रामलीला के मंचन के साथ ही गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल बना हुआ है। आने वाले दिनों में विभिन्न प्रसंगों के मंचन को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों के पहुंचने की उम्मीद है।

पॉक्सो अधिनियम के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ के निर्देशानुपालन में गांधी जयंती के अवसर पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों में पॉक्सो अधिनियम-2012 के प्रावधानों एवं कानूनी परिणामों के संबंध में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का प्रथम चरण 25 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2026 तथा द्वितीय चरण 02 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित किया गया है। कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम-2012 के प्रमुख प्रावधानों, कानूनी अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई पीएम श्री राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज, बदायूँ में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बदायूँ की गरिमामयी अध्यक्षता में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सुश्री रिन्कु, माननीय प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बदायूँ द्वारा विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम-2012 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए लैंगिक अपराधों से बचाव, सुरक्षित एवं असुरक्षित व्यवहार की पहचान।राजकीय इण्टर कॉलेज गभ्याई, बदायूँ में श्री अंकित रस्तोगी, सिविल जज (सी0डि0)/त्वरित न्यायाधीश/ प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षित एवं संस्कारित होने तथा अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने गुड टच एवं बैड टच के संबंध में भी बालिकाओं को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसे विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण के निर्माण में जन-सहभागिता सुनिश्चित करना है कार्यक्रमों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय, बदायूँ के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, पराविधिक स्वयंसेवक तथा संबंधित विद्यालयों के शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

उमंग एक पहचान में प्रतिभाओं को मिला सम्मान विजयी प्रतिभागियों को दी गई 1,20,500 रुपए की प्रोत्साहन राशि

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की पहल पर 'उमंग एक पहचान' कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच आयोजित शैक्षिक एवं जीवन कौशल आधारित प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विजेता प्रतिभागियों के साथ उनके अध्यापकों एवं अभिभावकों को भी फूलमाला पहनाकर, प्रशस्ति पत्र, उपहार एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंगलवार को डायट स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित सम्मान समारोह का शुभारंभ सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता, एमएलसी बागीश पाठक के प्रतिनिधि शारदेंदु पाठक एवं मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। केजीबीवी जगत की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि मुख्य विकास अधिकारी की पहल पर जनपद के परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं संविलियन विद्यालयों में बच्चों की प्रतिभा को निखारने तथा उनमें जीवन कौशल विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न कक्षा स्तरों पर शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लेकर जनपद स्तर तक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएं 07 से 11 सितम्बर तक, ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिताएं 18 सितम्बर तथा ब्लॉक से विजयी बच्चों की जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं 23 सितम्बर को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बदायूँ में आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में प्राथमिक स्तर पर कहानी सुनाओ, अंग्रेजी डिक्टेशन, सामान्य ज्ञान आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जबकि उच्च प्राथमिक स्तर पर हिंदी एवं अंग्रेजी भाषण, वाद-विवाद, अंग्रेजी डिक्टेशन, सामान्य ज्ञान सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गईं। कक्षा 01 से 03 तक के छात्र-छात्राओं को ब्लॉक स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व में सम्मानित किया जा चुका है। शेष जनपद स्तरीय विजेता छात्र-छात्राओं को डायट स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह में 11 छात्र-छात्राओं को प्रथम पुरस्कार के रूप में 5,000 रुपये प्रति छात्र, 11 छात्र-छात्राओं को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 3,000 रुपये प्रति छात्र तथा 11 छात्र-छात्राओं को तृतीय पुरस्कार के रूप में 1,500 रुपये प्रति छात्र की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त 32 छात्र-छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 500 रुपये प्रति छात्र की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 65 छात्र-छात्राओं को 1 लाख 20 हजार 500 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। विजेता छात्र-छात्राओं को फूलमाला पहनाकर, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

Lung Disease: Is a cough lasting more than three weeks a sign of TB? Know when you should be cautious.

It's important to determine the cause of a cough that lasts three weeks or more. A prolonged cough is considered a key symptom of TB, but asthma, COPD, allergies, and other lung conditions can also cause persistent coughing. Coughing is common due to weather changes, viral infections, or throat problems. Coughing is a protective mechanism of the body. When dust, smoke, mucus, or any infection irritates the respiratory tract, the body tries to expel it by coughing. Therefore, not every cough is a sign of a serious illness. A cough can persist for some time even after a viral infection. However, it becomes a problem when it persists. Health experts consider a cough lasting three weeks or more a serious health risk. In such a situation, timely testing is essential. Doctors recommend testing for TB if the cough persists for more than three weeks. Have you been suffering from a serious cough for some time? Don't ignore a persistent cough. Respiratory disease specialist Dr. Gaurav Chaturvedi explains that a persistent cough doesn't always indicate tuberculosis. However, a cough lasting more than 21 days may warrant a TB test. Conditions like asthma, COPD, allergies, smoking, and acid reflux can also cause prolonged coughing. Furthermore, in cases of lung cancer, a cough persists and worsens over time. This is why, instead of suppressing a persistent cough with home remedies, it's important to seek medical advice in a timely manner. Risk of TB in a three-week cough: A prolonged cough is considered a key symptom of pulmonary tuberculosis. It may also be accompanied by sputum or blood. TB is often associated with chest pain, weakness, loss of appetite, weight loss, fever, and night sweats. If three or four of these symptoms persist, consult a doctor immediately. If your cough lasts more than three weeks and is accompanied by weight loss or bleeding, be sure to get tested for tuberculosis. Asthma, allergies, and COPD: A persistent cough can often be caused by asthma or allergies. Some people may experience shortness of breath or a whistling sound along with the cough. Chronic smokers are at higher risk for COPD. COPD causes long-term damage to the airways and lungs, gradually increasing difficulty breathing. Therefore, a persistent cough should not be ignored. Doctors advise that if a cough persists for more than three weeks, it is important to consult a doctor. If the cough is accompanied by blood, difficulty breathing, or chest pain, further caution is warranted. Lung cancer can also present with symptoms such as persistent or increasing cough, chest pain, shortness of breath, bleeding, and unexplained weight loss. Therefore, timely identification and treatment of the underlying cause of the cough is essential.

Health Alert: These deadly diseases continue to grow in the body, yet remain undetected. How can we know the danger?

Some diseases show little or no symptoms in their early stages. Chronic kidney disease, fatty liver, and early cirrhosis are such problems. Let's learn how these problems can be detected. Lifestyle and dietary imbalances have significantly increased the risk of many chronic diseases. Therefore, health problems that were previously seen in those aged 50-60 are now affecting people under 30. Since the risk of diseases has increased significantly, health experts advise everyone to have regular health checkups to detect diseases early. Often, the disease is progressing internally, but there are no visible external signs. This is why even serious diseases are detected very late, significantly reducing the patient's chances of treatment and survival. Health experts say that this risk is even higher in liver and kidney diseases. Let's learn how you can assess your risk. Risk of Kidney and Liver Diseases: Medical reports indicate that most people with chronic kidney disease don't have any significant symptoms in the early stages, and the disease is often discovered only when blood or urine tests are performed for other problems. Similarly, some liver diseases can progress silently for a long time. Fatty liver disease often has few or no symptoms in the beginning, increasing the risk of developing a serious condition like cirrhosis. This is why health experts recommend that everyone regularly undergo necessary tests as advised by their doctor. The Problem of Chronic Kidney Disease: The kidneys remove waste and excess water from the body. In chronic kidney disease, kidney function gradually declines. Most people don't have symptoms in the early stages of kidney disease. In many cases, the disease is detected only through blood and urine tests. However, as the disease progresses, symptoms such as swelling in the legs, changes in urine or foamy urine, fatigue, or shortness of breath may appear. People with diabetes and high blood pressure are at increased risk of kidney problems. Even if you don't have these conditions, consult a doctor regularly for kidney checkups. Fatty liver and cirrhosis problems: Fatty liver disease causes excess fat to accumulate in the liver. It is also known as fatty liver disease associated with metabolic dysfunction. Even in its early stages, there are often no symptoms. Some people may experience fatigue and mild pain in the upper right abdomen, which is often ignored. If fatty liver is not treated promptly, it can lead to cirrhosis, which is considered fatal. If you are obese, have type 2 diabetes, or drink excessively, you may be at increased risk of these diseases. Regular checkups are essential: Health experts say that the biggest danger of silent diseases is that you may think you're healthy, but the disease continues to grow. While not everyone needs to be tested for every disease, regular testing, as advised by a doctor, is essential for those with diabetes, high blood pressure, obesity, high cholesterol, or a family history of kidney and liver problems. Early detection of a disease increases the likelihood of treatment and recovery.

Stomach Problems: Can Eating Celery Help With Gas? Find Out Here

Celery contains active compounds like thymol, which have been studied for their effects on the digestive system. Its carminative and antispasmodic properties can potentially relieve gas and stomach cramps. Stomach pain, bloating, and gas are common after eating a poor diet or a heavy meal. Celery has been touted as a beneficial remedy for these problems in traditional Chinese medicine. Celery is an effective herb with numerous health benefits. It contains several active compounds, including thymol. Studies have shown it to be beneficial in relaxing the muscles of the digestive tract and reducing the effects of gas. To maintain digestive health, people often consume celery or drink its water on an empty stomach. However, the biggest question is how does celery help with stomach problems? Let's learn more about this. How does this medicine soothe the stomach? - Celery contains a key compound called thymol. Studies have documented celery's carminative and antispasmodic properties. Simply put, this means that some of its compounds may help reduce intestinal gas and cramping. Laboratory and animal studies have also shown its benefits in relaxing the digestive system's muscles. This is why celery is beneficial for stomach heaviness or gas formation. How to take celery for gas? For gas or stomach heaviness, you can usually chew a small amount of celery or take it with water. Some people also drink celery water. However, celery should be consumed in moderation. Consuming too much can worsen stomach problems. People who already suffer from heartburn, acidity, or stomach sensitivity should discontinue use if symptoms worsen after consuming it. It's important to understand the causes of gas. Health experts say celery can provide relief from mild and occasional gas, but relying solely on home remedies for frequent gas isn't a good idea. Persistent bloating, frequent indigestion, or heartburn can often be a sign of other digestive problems, which require timely diagnosis and treatment. If stomach discomfort is accompanied by weight loss, difficulty swallowing, black stools, or persistent vomiting, consult a doctor.

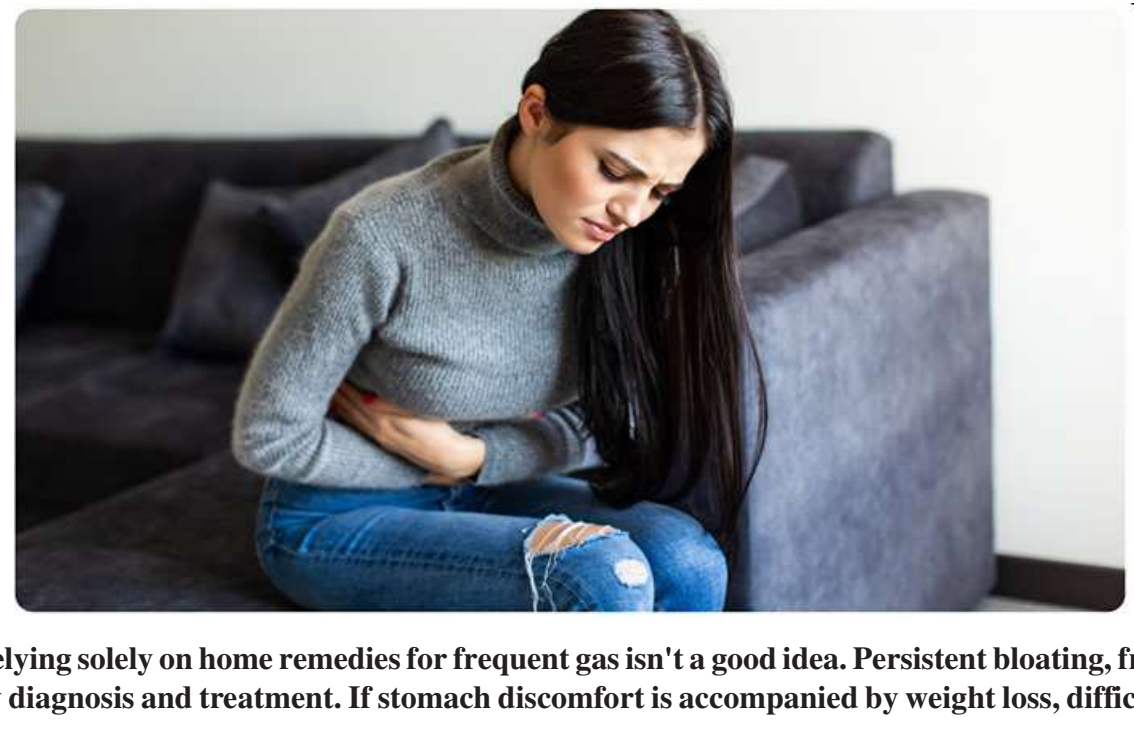

Dakota Johnson and Colin Farrell to star in Taylor Swift's music video; find out where the premiere will take place

Pop singer Taylor Swift's new music video, featuring actors Dakota Johnson and Colin Farrell, is set to premiere soon. Let's find out where the song will premiere. Taylor Swift is once again bringing something special to her fans. Her new song, "Patient Zero," is set to be released soon. Dakota Johnson and Colin Farrell will appear together in this music video. Notably, the video was directed by Taylor Swift herself and will have its world premiere at the MTV VMAs. Taylor Swift shared a teaser - The singer shared a glimpse of the upcoming music video on her X handle on Thursday. The teaser shows Swift and Dakota Johnson imitating each other. They are seen diving into water in front of a bathroom sink. This is followed by a close-up shot of Swift's crying face, clearly revealing her engagement ring from Travis Kelce. Pharrell then gets out of a car and the three meet. All three are dressed in black. Who did the video's cinematography? According to Variety, Oscar winner Emmanuel Lubezki did the cinematography for the video. He also directed Tom Cruise's new film, "Digger." According to Variety, Swift revealed "The Life of a Showgirl: The Encore" on Wednesday, after announcing "Patient Zero" a day earlier. The album is a larger version of last year's "The Life of a Showgirl," featuring four new songs: "Patient Zero," "Cleveland," "Pink Clouding," and "Babylon." What did Taylor Swift say? Announcing the album, Swift wrote, "Almost exactly one year ago, you guys did something truly unimaginable. Something that completely blew me away. You gave 'The Life of a Showgirl' the biggest opening week for an album in history." Taylor Swift further added on her Instagram handle, "I went to Sweden to celebrate with Max and Shellback, two of my colleagues who worked on this album. Basically, we just wanted to be thankful for the moment we were in, but there was a studio there and we did what we do when we feel something: we wrote more songs. I hope you enjoy these songs, because they are born out of gratitude for your enthusiasm and celebration for the album we made." Meanwhile, according to a report, Taylor Swift is set to receive the first-ever Artist Director Honors at the MTV Video Music Awards. This honor is being given to her for her contributions to music video direction and visual storytelling.

Hunkaar Screening: Ranveer Singh's all-white look wows, Fatima and Anit Padda's glamour adorns the red carpet

Actress Anit Padda is in the news for her upcoming series "Hunkaar." A screening was held this evening, attended by the series' star cast and several Bollywood stars. Anit looked gorgeous - Anit Padda arrived at the screening looking absolutely stunning and gorgeous. The actress was seen in a brown top and matching pants. Anit's look immediately caught everyone's attention. Fatima looked glamorous - At the special screening of her own show, Fatima Sana Shaikh stole the spotlight with her stunning and glamorous style. Fatima posed in a lavender dress. Ranveer graced the occasion - Bollywood superstar Ranveer Singh also attended the special occasion in an all-white outfit and cool shades. His stylish style is going viral on social media. Dhvani Bhanushali also attended the screening of "Hunkar" - Singer Dhvani Bhanushali was seen in a beautiful dark blue dress. The singer also posed for the paparazzi before entering the screening. The show's producer Ravi Bhagchandka and celebrity stylist Eka Lakhani also made their presence felt at the event and posed for the paparazzi. About the "Hunkar: The Roar" series: The series is directed by Karan D. Kapadia, Nitya Mehra, and Hiraaz Marfatia. Fatima Sana Shaikh, Anit Padda, and Mohammed Zeeshan Ayyub will be seen alongside Raghubir Yadav and Ram Kapoor. "Hunkar: The Roar" is produced by Birla Studios and Applause Entertainment in association with Purple Pebble Pictures. The series was created by Karan D. Kapadia and Nitya Mehra. "Hunkar: The Roar" will stream on JioHotstar from September 25th.

The "Toxic" star is seen enjoying a cool outing with his wife.

Yash is out on a trip with his wife. Radhika Pandit shared new photos with his family on social media. Yash is seen in a cool look. After the failure of the film "Toxic," Yash is spending some quality time with his family. He is out on a trip with his wife, Radhika Pandit, and their children, Ayra and Yatharv. Radhika has now shared some glimpses of their time at the beach. The family is seen cycling and spending time by the sea. What's in Yash's wife's post? She did not provide any details about Yash's family's current location. However, the photos clearly show the actor enjoying his time with his family. In one photo, Radhika is cycling with Yatharv, while Yash and Ayra are behind them. In another photo, Radhika is seen relaxing on the beach. He captioned the photos, "So peaceful that you can hear the waves. So noisy that every moment is remembered." Yash doesn't share photos with his family. Yash himself hasn't shared many photos from this vacation. While Radhika occasionally gives fans glimpses of her family life, Yash generally doesn't share photos with his family on social media. High expectations were set for the film: This family vacation took place after the theatrical release of "Toxic." Directed by Geetu Mohandas, this film was Yash's biggest release after "KGF," and high expectations were raised. It also starred Nayanthara and Kiara Advani. "Toxic" had a strong opening, earning approximately ?101 crore (net) on its first day in India across all versions. However, this momentum didn't last long. The film's earnings dropped after the first weekend. "Toxic" ultimately ended its run with approximately ?230 crore (net) across all versions in India. According to reports, the Hindi version earned approximately ?137 crore (approximately $1.37 billion), while its worldwide gross is estimated at approximately ?340-366 crore (approximately $3.40-3.66 billion). Reports suggest the film was made on a budget of approximately ?500-1,000 crore (approximately $1.5 billion). Yash married in December 2016 and has two children, Ayra and Yatharva. The couple will celebrate their 10th wedding anniversary later this